नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 348
दि. 21.04.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

उन्नाव समेत 15 जिलों के डीएम बदले, प्रशासनिक महकमे में बड़ा फेरबदल , आईएएस दुर्गा शक्ति नागपाल का नया ठिकाना कहां ?-

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने रविवार (19 अप्रैल) देर रात प्रशासनिक महकमे में बड़ा फेरबदल किया। कुल 40 आईएएस अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए गए, जिनमें 15 जिलों के जिलाधिकारी (DM) और 5 जिलों के मुख्य विकास अधिकारी (CDO) शामिल हैं।

यह तबादला नियमित प्रशासनिक फेरबदल का हिस्सा माना जा रहा है, जिसका मकसद जिलों में बेहतर बनाना और विकास कार्यों को नई गति देना है।

लखीमपुर खीरी की जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल को देवीपाटन मंडल का कमिश्नर बनाया गया है। यह उनके करियर में एक बड़ा प्रमोशन माना जा रहा है। वहीं, देवीपाटन मंडल के मौजूदा कमिश्नर शशि भूषण लाल सुशील को प्रमुख सचिव, एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सरकार ने जिन प्रमुख जिलों में DM बदले, वे इस प्रकार हैं: उन्नाव : गौरांग राठी (पहले उन्नाव DM) को झांसी का DM बनाया गया। नया DM – घनश्याम मीणा (हमीरपुर से)। झांसी: नया DM – गौरांग राठी। लखीमपुर खीरी: नया DM – अंजनी कुमार सिंह (मैनपुरी से)। सुल्तानपुर: नया DM – इंद्रजीत सिंह (विशेष सचिव ऊर्जा से)। बुलंदशहर: नया DM – कुमार हर्ष (सुल्तानपुर से)। श्रावस्ती: नया DM – अन्नपूर्णा गर्ग (विशेष सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक से)। शामली: नया DM – आलोक यादव (झांसी विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष से)। सहारनपुर: नया DM – अरविंद कुमार चौहान (शामली से)। अमरोहा: नया DM – नितिन गौड़ (हापुड़ पिलखुआ विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष से)। हमीरपुर: नया DM – अभिषेक गोयल (विशेष सचिव खाद्य एवं रसद से)। रायबरेली: नया DM – सरनीत कौर ब्रोका (निदेशक बाल विकास एवं पुष्टाहार से)। फतेहपुर: नया DM – निधि गुप्ता वत्स (अमरोहा से)। मैनपुरी: नया DM – डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी (औरैया से)। औरैया: नया DM – बृजेश कुमार (मुख्यमंत्री के विशेष सचिव से)। आगरा: नया DM – मनीष बंसल (सहारनपुर से)। अन्य महत्वपूर्ण पोस्टिंग अरविंद मल्लप्पा बांगरी (आगरा DM)– मुख्यमंत्री के विशेष सचिव। श्रुति (बुलंदशहर ऊट) – प्रबंध निदेशक, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम, आगरा। नीतीश कुमार (प्रबंध निदेशक, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम, आगरा) – प्रबंध निदेशक, उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन।

आशुतोष निरंजन (प्रतीक्षारत) – परिवहन आयुक्त।

किंजल सिंह (परिवहन आयुक्त) – सचिव, माध्यमिक शिक्षा।

रविंदर सिंह (फतेहपुर DM) – विशेष सचिव ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत + निदेशक यूपीनेडा + प्रबंध निदेशक, UP Renewable & EV Infrastructure Ltd.

मृदुल चौधरी (झांसी DM) – विशेष सचिव पर्यटन एवं निदेशक पर्यटन।

अश्वनी कुमार पांडे (श्रावस्ती DM) – निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण।

हर्षिता माथुर (रायबरेली DM) – निदेशक, बाल विकास एवं पुष्टाहार + निदेशक, राज्य पोषण मिशन।

अनीता वर्मा सिंह – विशेष सचिव, खाद्य एवं रसद विभाग + नियंत्रक, विधिक बाट माप।

CDO स्तर के तबादले

सरकार ने 5 जिलों के मुख्य विकास अधिकारियों (CDO) की भी पोस्टिंग बदली। इनमें अमेठी, हाथरस, देवरिया, हापुड़, बहराइच, बदायूं, आजमगढ़, चित्रकूट और गाजीपुर के अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, इतने बड़े पैमाने पर तबादला जिलों में नई ऊर्जा भरने और लंबे समय से एक जगह पर तैनात अधिकारियों को रोटेशन देने का हिस्सा है। खासतौर पर ऊर्जा, पर्यटन, टरटए और निर्यात जैसे महत्वपूर्ण विभागों में नए चेहरों की नियुक्ति विकास योजनाओं को तेज गति देने वाली मानी जा रही है।

इंडिया कोरिया समिट 2026:'चिप्स से लेकर शिप्स' तक, पीएम मोदी और राष्ट्रपति ली के बीच हुए ये 5 बड़े समझौते

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने रविवार (19 अप्रैल) देर रात प्रशासनिक महकमे में बड़ा फेरबदल किया। कुल 40 आईएएस अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए गए, जिनमें 15 जिलों के जिलाधिकारी (DM) और 5 जिलों के मुख्य विकास अधिकारी (CDO) शामिल हैं।

यह तबादला नियमित प्रशासनिक फेरबदल का हिस्सा माना जा रहा है, जिसका मकसद जिलों में बेहतर बनाना और विकास कार्यों को नई गति देना है।

लखीमपुर खीरी की जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल को देवीपाटन मंडल का कमिश्नर बनाया गया है। यह उनके करियर में एक बड़ा प्रमोशन माना जा रहा है। वहीं, देवीपाटन मंडल के मौजूदा कमिश्नर शशि भूषण लाल सुशील को प्रमुख सचिव, एमएसएमई एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सरकार ने जिन प्रमुख जिलों में DM बदले, वे इस प्रकार हैं: उन्नाव : गौरांग राठी (पहले उन्नाव DM) को झांसी का DM बनाया गया। नया DM – घनश्याम मीणा (हमीरपुर से)। झांसी: नया DM – गौरांग राठी। लखीमपुर खीरी: नया DM – अंजनी कुमार सिंह (मैनपुरी से)। सुल्तानपुर: नया DM – इंद्रजीत सिंह (विशेष सचिव ऊर्जा से)। बुलंदशहर: नया DM – कुमार हर्ष (सुल्तानपुर से)। श्रावस्ती: नया DM – अन्नपूर्णा गर्ग (विशेष सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक से)। शामली: नया DM – आलोक यादव (झांसी विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष से)। सहारनपुर: नया DM – अरविंद कुमार चौहान (शामली से)। अमरोहा: नया DM – नितिन गौड़ (हापुड़ पिलखुआ विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष से)। हमीरपुर: नया DM – अभिषेक गोयल (विशेष सचिव खाद्य एवं रसद से)। रायबरेली: नया DM – सरनीत कौर ब्रोका (निदेशक बाल विकास एवं पुष्टाहार से)। फतेहपुर: नया DM – निधि गुप्ता वत्स (अमरोहा से)। मैनपुरी: नया DM – डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी (औरैया से)। औरैया: नया DM – बृजेश कुमार (मुख्यमंत्री के विशेष सचिव से)। आगरा: नया DM – मनीष बंसल (सहारनपुर से)। अन्य महत्वपूर्ण पोस्टिंग अरविंद मल्लप्पा बांगरी (आगरा DM)– मुख्यमंत्री के विशेष सचिव। श्रुति (बुलंदशहर ऊट) – प्रबंध निदेशक, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम, आगरा। नीतीश कुमार (प्रबंध निदेशक, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम, आगरा) – प्रबंध निदेशक, उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन।

आशुतोष निरंजन (प्रतीक्षारत) – परिवहन आयुक्त।

किंजल सिंह (परिवहन आयुक्त) – सचिव, माध्यमिक शिक्षा।

रविंदर सिंह (फतेहपुर DM) – विशेष सचिव ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत + निदेशक यूपीनेडा + प्रबंध निदेशक, UP Renewable & EV Infrastructure Ltd.

मृदुल चौधरी (झांसी DM) – विशेष सचिव पर्यटन एवं निदेशक पर्यटन।

अश्वनी कुमार पांडे (श्रावस्ती DM) – निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण।

हर्षिता माथुर (रायबरेली DM) – निदेशक, बाल विकास एवं पुष्टाहार + निदेशक, राज्य पोषण मिशन।

अनीता वर्मा सिंह – विशेष सचिव, खाद्य एवं रसद विभाग + नियंत्रक, विधिक बाट माप।

CDO स्तर के तबादले

सरकार ने 5 जिलों के मुख्य विकास अधिकारियों (CDO) की भी पोस्टिंग बदली। इनमें अमेठी, हाथरस, देवरिया, हापुड़, बहराइच, बदायूं, आजमगढ़, चित्रकूट और गाजीपुर के अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, इतने बड़े पैमाने पर तबादला जिलों में नई ऊर्जा भरने और लंबे समय से एक जगह पर तैनात अधिकारियों को रोटेशन देने का हिस्सा है। खासतौर पर ऊर्जा, पर्यटन, टरटए और निर्यात जैसे महत्वपूर्ण विभागों में नए चेहरों की नियुक्ति विकास योजनाओं को तेज गति देने वाली मानी जा रही है।

बेअदबी के दोषियों के लिए अब कोई माफी नहीं, गैर जमानती जेल-₹25 लाख जुमार्ना

(जीएनएस)।

विधानसभा के बाद अब राज्यपाल ने भी 'जागत जोति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सतिकार (संशोधन)-2026' बिल को मंजूरी दे दी है – यह बिल अब पूरी तरह कानून बन गया है। पंजाब के लोगों के लिए यह एक ऐतिहासिक पल है जिसका इंतजार दशकों से किया जा रहा था।

पंजाब की सियासत और लोगों की भावनाओं के लिए यह दिन बेहद ऐतिहासिक रहा, जब मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार विधानसभा में यह बिल लेकर आई। लंबे समय से पंजाब के लोग एक ऐसे सख्त कानून का इंतजार कर रहे थे जो बेअदबी के दोषियों को सही सजा दिला सके। पिछले 10-15 सालों में अकाली और कांग्रेस सरकारों पर यह आरोप लगते रहे कि उन्होंने सिर्फ जांचों और कमेटियों के नाम पर वक्त बर्बाद किया। लेकिन अब मान सरकार ने वो कर दिखाया है जो पिछली सरकारें दशकों में नहीं कर सकीं।

सरकार का साफ कहना है कि पहले के कानूनों में जानबूझकर ऐसी कमियां छोड़ी गई थीं जिससे दोषी सजा से बच निकलते थे। पहले बेअदबी के मामलों में सजा कम थी और अपराधी जल्दी बाहर आ जाते थे, लेकिन अब 25 लाख रुपये तक का जुमार्ना और उम्रकैद जैसे सख्त प्रावधान बनाए गए हैं। क्या इन कदमों से बरगाड़ी जैसे मामलों के पीछे छिपे बड़े चेहरे बेनकाब होंगे? यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन इस कानून ने लोगों के मन में एक नया भरोसा जरूर जगाया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान की इस पहल को धार्मिक आस्था और सम्मान की रक्षा के लिए एक मजबूत कदम के रूप में देखा जा रहा है।

पिछले कई दशकों में पंजाब ने बेअदबी की ऐसी दर्दनाक घटनाएं देखी हैं जिन्होंने सूबे की शांति और भाईचारे को हिलाकर रख दिया था।

राहुल गांधी दोहरी नागरिकता मामला: लखनऊ हाईकोर्ट के जज ने खुद को सुनवाई से किया अलग

लखनऊ। राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता मामले में हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने स्वयं को सुनवाई से अलग कर लिया है तथा सुनवाई के लिए नए बेंच को नामित करने के लिए फाइल को मुख्य न्यायमूर्ति के समक्ष भेजने का निर्देश दिया है। न्यायालय ने याची एस. विग्नेश शिशिर द्वारा सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों का संज्ञान लेते हुए, स्वयं को सुनवाई से अलग किया है।

बता दें कि न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने हाल ही में दोहरी नागरिकता मामले में राहुल गांधी के खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश दिया था। भाजपा के कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने लखनऊ की एमपी/एमएलए कोर्ट के 28 जनवरी के आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी।

एक्शन मोड में सीएम रेखा गुप्ता! आजादपुर मंडी में अफसरों की लगी क्लास, क्या अब सुधरेंगे दिल्ली के हालात?

(जीएनएस)।

दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता इन दिनों पूरी तरह 'एक्शन मोड' में नजर आ रही हैं। सोमवार को राजधानी की सड़कों पर उस वक्त हड़कंप मच गया जब सीएम अचानक आजादपुर मंडी और गुप्ता मार्केट का मुआयना करने पहुंच गईं।

बिना किसी पूर्व सूचना के हुए इस ऑन-ग्राउंड निरीक्षण के दौरान उन्होंने न केवल विकास कार्यों का जायजा लिया, बल्कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को जमकर फटकार भी लगाई। आइए समझते हैं कि इस दौरे के पीछे सीएम का क्या विजन है और आम जनता को इससे क्या राहत मिलने वाली है।

जमीनी हकीकत देख भड़कीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आजादपुर मंडी और उसके आसपास के इलाकों में ऊटफ्ठ और ढहऊ द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों की बारीकी से जांच की। मौके पर मौजूद अधिकारियों से उन्होंने प्रोग्रेस रिपोर्ट मांगी और काम की धीमी रफ्तार को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की।

मुख्यमंत्री ने सख्त लहजे में कहा कि विकास कार्यों के नाम पर आम जनता को परेशान नहीं किया जा सकता। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि सड़कों पर लोगों के आने-जाने और उनकी सुविधाओं को सबसे ऊपर रखा जाए, ताकि निर्माण के दौरान ट्रैफिक या अन्य समस्याएं पैदा न हों।

पारदर्शिता और डेडलाइन पर सख्त आदेश

दिल्ली सरकार अब किसी भी प्रोजेक्ट में देरी के मूड में नहीं है। सीएम रेखा गुप्ता ने अफसरों को चेतावनी देते हुए कहा कि हर प्रोजेक्ट को निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही पूरा करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि काम की क्वालिटी और पारदर्शिता से कोई भी समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनका लक्ष्य है कि जो सरकारी सुविधाएं जनता के लिए बनाई जा रही हैं, वे उन्हें वक्त पर और बेहतरीन गुणवत्ता के साथ मिलें।

अफगानिस्तानी क्रिकेटर के दिमाग में जानलेवा बीमारी, दिल्ली के अस्पताल में भर्ती, डॉक्टर कर रहे बचाने का प्रयास

अफगानिस्तान क्रिकेट के सबसे चहेते तेज गेंदबाजों में से एक शापूर जादरान इस वक्त एक ऐसी लड़ाई लड़ रहे हैं जहां प्रतिद्वंद्वी कोई बल्लेबाज नहीं बल्कि एक दुर्लभ और जानलेवा बीमारी

है। 38 वर्षीय यह दिग्गज गेंदबाज नई दिल्ली के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती है। उनके छोटे भाई, घमई जादरान ने इस दुखद स्थिति का खुलासा किया और बताया कि शापूर 'हेमोफैगोसिटिक लिम्फो-हिस्टियोसाइटोसिस' (HLH) नामक एक अत्यंत गंभीर स्थिति से जूझ रहे हैं।

'कोर्ट के जज डर कर हटने लगे तो', अरविंद केजरीवाल को दिल्ली हाईकोर्ट से लगा झटका, जस्टिस शर्मा ने अपील की खारिज

(जीएनएस)।

दिल्ली हाईकोर्ट से पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका लगा है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की उस याचिका को सोमवार को खारिज कर दिया जिसमें केजरीवाल ने शराब आबकारी नीति मामले की सुनवाई से जस्टिस शर्मा को हटाने (रिक्यूस करने) की अपील की थी।

जस्टिस शर्मा को हटाने की अपील को खारिज करते हुए न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि केजरीवाल के तर्कों में कोई सबूत नहीं था, बल्कि उनकी विश्वसनीयता पर केवल मनगढ़ंत आरोप और संदेह उत्पन्न करने की कोशिश की गई थी।

केजरीवाल ने तर्क दिया था कि जस्टिस शर्मा को इस मामले की सुनवाई नहीं करनी चाहिए। उनका कहना था कि जस्टिस शर्मा ने बीआरएस नेता के. कविता की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कुछ टिप्पणियां की थीं, जिनमें केजरीवाल का नाम शामिल था। इसी आधार पर जस्टिस पर पूर्वाग्रह का आरोप लगाते हुए सुनवाई से हटने की मांग की गई थी।

अपने फैसले में जस्टिस शर्मा ने केजरीवाल के हितों के टकराव के आरोपों का खंडन करते हुए स्पष्ट किया कि केजरीवाल अपने दावों के समर्थन में कोई सबूत पेश करने में विफल रहे हैं, और उन्हें आरोपों तथा अनुमानों के आधार पर न्यायिक प्रक्रिया को कमजोर करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि खुद को सुनवाई से अलग करना एक आसान रास्ता होता, लेकिन यह कर्तव्य का परित्याग करने जैसा होता और यह धारणा बनती कि किसी भी न्यायाधीश पर निराधार आरोपों से दबाव डाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई न्यायिक प्रणाली की विश्वसनीयता के लिए हानिकारक होती, इसलिए उन्होंने आरोपों का सामना करना उचित समझा। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि न्यायाधीश पर भेदभाव का आरोप बेहद गंभीर है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता।

फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, "जब मैंने यह फैसला लिखना शुरू किया, तो न्यायालय कक्ष में सन्नाटा छा गया था। जो बचा था, वह भारत के संविधान की शपथ लेने वाले न्यायाधीश के रूप में मेरे दायित्व का बोझ था।

'एसपीजी से झालमुड़ी बनवाकर नाटक रचा', पीएम मोदी का वीडियो वायरल होने पर तमतमाई सीएम ममता बनर्जी, लगाए गंभीर आरोप

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार, 19 अप्रैल को झारग्राम में सड़क किनारे एक झालमुड़ी की दुकान पर अचानक रुक गए और वहां झालमुड़ी बनवा कर खाई।। पीएम मोदी के काफिले को वहां रुका हुआ देख वहां भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पीएम मोदी का पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम में एक दुकान पर झालमुड़ी खाते वीडियो देशभर में वायरल हो रहा है।

साधारण सी दुकान पर काफिला रोककर पीएम मोदी के झालमुड़ी खाने वाली यह घटना बंगाल चुनाव के राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। पहले तृणमूल कांग्रेस (ळटउ) ने गंभीर आरोप लगाए थे वहीं अब सीएम ममता बनर्जी को भी पीएम मोदी का ये अंदाज रास नहीं आया और वो आगबबूला हो गई हैं और पीएम मोदी को जमकर घेरा है।

गौरतलब है कि व्यस्त चुनावी रैलियों के बीच प्रधानमंत्री ने यह 'झालमुड़ी ब्रेक' लिया। उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए इसे 'झारग्राम में झालमुड़ी ब्रेक' कैप्शन दिया। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल में अपनी चार रैलियों के

बीच उन्होंने "स्वादिष्ट झालमुड़ी" खाने के लिए कुछ देर का विराम लिया था। वीडियो में वे विक्रेता से झालमुड़ी लेते नजर आए, जहां "जय श्री राम" और "भारत माता की जय" जैसे नारे गूंज रहे थे।

ममता बोलीं– झालमुड़ी बनवाई ताकि एक ड्रामा रचा जा सके

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घटनाक्रम को 'कोरा नाटक' बताते हुए पीएम मोदी पर तीखा हमला बोला, सुनियोजित ड्रामा करार दिया।बनर्जी ने कहा, "झालमुड़ी की दुकान में माइक लगा दिया, फिर एसपीजी से झालमुड़ी बनवाई ताकि एक ड्रामा रचा जा सके!" उन्होंने आरोप लगाया, "वह झालमुड़ी पहले से ही उनके लिए तैयार की गई थी", और "उन्होंने 10 रुपये निकालकर झालमुड़ी खाई, जरा सोचिए।"

दुकान के अंदर कैमरा क्यों लगाया गया था?

मुख्यमंत्री ने सवाल किया, "अगर ऐसा नहीं था, तो दुकान के अंदर कैमरा क्यों लगाया गया था? उनसे पूछिए। सब ड्रामा है!" पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, "कभी चुनाव के समय वह गुफा में चले जाते हैं, कभी खुद को चायवाला बताते हैं!" ममता बनर्जी ने भाजपा की रैलियों में भीड़ पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया, "जहां भी वह रैली करते हैं।

वहां लोगों को ट्रेनों से लाया जाता है। बाहर से भीड़ जुटाई जाती है।"

ममता बनर्जी को एग्ट में गड़बड़ी का सता रहा भय

बनर्जी ने दावा किया कि वे जनबल के अभाव में दबाव हेतु एजेंसियों का प्रयोग करते हैं। ममता बनजी ने आगामी चुनावी प्रक्रिया पर कार्यकताओं को आगाह किया। उन्होंने कहा, टीएमसी तीन हफ्तों बाद सरकार बनाएगी, इसलिए ईवीएम पर कड़ी नजर रखें। बनर्जी ने दावा किया कि केंद्रीय बलों को ईवीएम लूटने का काम दिया गया है।

ममता बनर्जी ने मतगणना प्रक्रिया में संभावित छेड़छाड़ की आशंका जताई। उन्होंने सचेत किया, "हमें खबर मिली है कि वे मतगणना प्रक्रिया में छेड़छाड़ करने की कोशिश कर सकते हैं।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

लखनऊ में ऑनर किलिंग; पिता ने बेटी को मार डाला, चेहरे को तेजाब से जलाया, बाराबंकी में फेंका शव

पुलिस ने आरोपी पिता और उसके दोस्त को गिरफ्तार किया है. पूछताछ में आरोपी पिता ने गुनाह कबूल किया है. पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

लखनऊ : राजधानी में ऑनर किलिंग का मामला सामने आया है. चिनहट थाना क्षेत्र में पिता ने अपने दोस्त के साथ मिलकर बेटी (16) की हत्या कर दी. पहचान छिपाने के लिए चेहरे को तेजाब से जला दिया और शव को बाराबंकी में फेंक दिया. इसके बाद खुद थाने जाकर बेटी की गुमशुदगी दर्ज करा दी.

पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद पिता के खौफनाक गुनाह का पदार्फाश कर दिया. पुलिस ने आरोपी पिता और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस अब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर कानूनी कार्रवाई कर रही है.

14 अप्रैल को की थी हत्या : डीसीपी पूर्वी डॉ. दीक्षा शर्मा ने बताया, चिनहट निवासी विजय कुमार चौबे ने 13 अप्रैल को बेटी को झाड़-फूंक कराने के बहाने कार में बैठाकर बाराबंकी ले गया. साथ में उसका

दोस्त अब्दुल मन्नान भी था. 14 अप्रैल को बड्डूपुर इलाके में कुर्सी रोड के पास कार में ही गला दबाकर हत्या कर दी.

शव को नहर में फेंकने की कोशिश की लेकिन फेंक नहीं पाया. इसके बाद पिता ने पहचान छिपाने के लिए बेटी के चेहरे को तेजाब से जला दिया, ताकि शव की शिनाख्त न हो सके.

खुद दर्ज कराई शिकायत : पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपी पिता ने ऑनलाइन जनसुनवाई पोर्टल पर बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई. चिनहट पुलिस घर पहुंची, तो विजय कुमार गायब मिला. आसपास पूछताछ में पता चला कि वह खुद ही बेटी को ले गया था.

लड़की जिस लड़के से बात करती थी, उससे पूछताछ की और फिर पिता के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की. 19 अप्रैल को उसकी लोकेशन गोंडा में मिली, जहां से पुलिस ने उसे दबोच लिया. सख्ती से पूछताछ करने पर पिता ने अपना जुर्म कबूल कर लिया.

बेटी के व्यवहार से था नाराज : डीसीपी पूर्वी डॉ. दीक्षा शर्मा ने बताया कि पूछताछ में आरोपी पिता ने स्वीकार किया कि वह अपनी बेटी के व्यवहार से बेहद नाराज था. साल 2025 में बेटी घर से एक लड़के के साथ भाग गई थी. तब पुलिस ने उसे बरामद कर परिवार को सौंप दिया था. इसके बाद भी बेटी लड़के के संपर्क में थी. इसी वजह में उसने बेटी को मौत के घाट उतार दिया.

15 अप्रैल को बाराबंकी के बड्डूपुर में एक किशोरी का शव मिला. पहचान न होने के कारण पुलिस ने अज्ञात में अंतिम संस्कार कर दिया. अब आरोपी की गिरफ्तारी के बाद बाराबंकी पुलिस से संपर्क कर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

समाजवादी पार्टी लखनऊ महानगर के उपाध्यक्ष गजेंद्र मिश्रा गज्जू ने संस्कृत नगरम में आराध्य देव श्री भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव मनाया एवं फल वितरण किया

लखनऊ, दिनांक 19/4/26 को समाजवादी पार्टी लखनऊ महानगर के उपाध्यक्ष गजेंद्र मिश्रा गज्जू ने संस्कृत नगरम में आराध्य देव श्री भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव मनाया एवं फल वितरण किया जिसमें मुख्य रूप से लखनऊ महानगर के पूर्व अध्यक्ष श्री मुकेश शुक्ला जी, अशोक मिश्रा सेक्टर वार्डन सिविल डिफेंस, आलोक मिश्रा, दीपक मिश्रा, उमेश चंद्र मिश्रा, कमलेश श्रीवास्तव, जय पाल सिंह आर्यन मिश्रा एवं अन्य कई लोगों ने भगवान परशुराम जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भगवान परशुराम जी की जयंती मनाई एवं संकल्प लिया कि 2027 के चुनाव में सभी लोग मिलकर माननीय अखिलेश यादव जी को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाएंगे

कार्यक्रम में, राष्ट्रीय अध्यक्ष महाराणा प्रताप सेना डॉ० राजवर्धन सिंह परमार , ए० पी०. सिंह रेडवोकेट सुप्रीम कोर्ट, राष्ट्रीय प्रभारी महाराणा प्रताप मेना, अजय सिंह राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव, धनंजय सिंह राष्ट्रीय महासचिव, जितेन्द्र सिंह यादव मीडिया प्रभारी, आकाश सिंह युता अध्यक्ष, लखनऊ, सचिन, शर्मा, नरेन्द्र मोहन शर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आदि लोग मौजूद थे।

कार्यक्रम में, राष्ट्रीय अध्यक्ष महाराणा प्रताप सेना डॉ० राजवर्धन

सिंह परमार , ए० पी०. सिंह रेडवोकेट सुप्रीम कोर्ट, राष्ट्रीय प्रभारी महाराणा प्रताप मेना, अजय सिंह राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव, धनंजय सिंह राष्ट्रीय महासचिव, जितेन्द्र सिंह यादव मीडिया प्रभारी, आकाश सिंह युता अध्यक्ष, लखनऊ, सचिन, शर्मा, नरेन्द्र मोहन शर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आदि लोग मौजूद थे।

लखनऊ से नोएडा तक श्रमिकों को सस्ते में किराए का घर, जानें किसे मिलेगा फायदा

(जीएनएस)।

नोएडा और लखनऊ जैसे महानगरों में अब मजदूरों का 'सस्ती छत' का सपना सच होने जा रहा है. योगी सरकार ने नई रेंटल पॉलिसी के जरिए फैक्ट्रियों और औद्योगिक इलाकों के भीतर ही किफायती घर देने का रास्ता साफ कर दिया है.

नई दिल्ली(जीएनएस)।, उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में काम करने वाले लाखों मजदूरों के लिए राहत भरी खबर है. योगी सरकार ने लखनऊ, कानपुर, नोएडा और गाजियाबाद जैसे बड़े महानगरों में पीएम आवास योजना के तहत 'किफायती किराया आवास पॉलिसी' को लागू करने का निर्णय लिया है..

इस महत्वाकांक्षी योजना को धरातल पर उतारने के लिए औद्योगिक विकास विभाग, आवास विकास और नगर नियोजन विभागों के बीच उच्च स्तरीय सहमति बन चुकी है, जिससे अब शहरों में मजदूरी करने वाले लोगों को बेहद सस्ती दरों पर मासिक किराए वाले मकान मिल सकेंगे.

इस नई नीति के तहत अब औद्योगिक इकाइयों के भीतर ही श्रमिकों के लिए रहने की व्यवस्था की जाएगी. विभाग ने यह अनिवार्य किया है कि उद्योगों के लिए निर्धारित कुल जमीन के 30 फीसदी हिस्से पर श्रमिक आवासों का निर्माण होगा.

मजदूरों के प्रदर्शन के बाद लिया गया फैसला

इसके साथ ही, स्थानीय विकास प्राधिकरणों को भी अपने स्तर पर ऐसे किफायती रेंटल कॉम्प्लेक्स बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है. योजना को गति देने के लिए निजी डेवलपर्स को भी इस मुहिम से जोड़ा जा रहा है. जो डेवलपर्स अपनी परियोजनाओं में मजदूरों के लिए सस्ते किराए के घर बनाएंगे, उन्हें सरकार की ओर से लैंड यूज (भू-उपयोग), मानचित्र मंजूरी और डेवलपमेंट चार्ज में विशेष रियायतें दी जाएंगी.

इस योजना की जरूरत हाल ही में नोएडा और गुरुग्राम के औद्योगिक क्षेत्रों में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद महसूस की गई. वहां फैक्ट्री कर्मचारियों ने कम वेतन और बेतहाशा बढ़ते किराए को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की थी. मजदूरों का दर्द था कि उनकी आय का एक बड़ा हिस्सा तो सिर्फ एक छोटे से कमरे के किराए में चला जाता है, जिसके बाद बच्चों की शिक्षा और घर चलाने के लिए पैसे नहीं बचते.

नोएडा की इस घटना के बाद गठित 'हाई पावर कमेटी' ने भी श्रमिकों की बुनियादी सुविधाओं में सुधार की सख्त जरूरत बताई थी. इन्हीं सिफारिशों को आधार बनाकर अब सरकार श्रमिकों को महंगाई के बोझ से बचाने के लिए यह ठोस कदम उठा रही है.

लखनऊ के एक संगठन ने रची थी नोएडा हिंसा की साजिश? छापेमारी में मिला 'ब्लूप्रिंट', पीएफआई की तर्ज पर नेटवर्क सक्रिय

नोएडा, मानेसर और दिल्ली में हुए श्रमिक प्रदर्शनों के पीछे कथित साजिश का खुलासा हुआ है। जांच एजेंसियों के अनुसार लखनऊ स्थित संगठन इस पूरे नेटवर्क का केंद्र था। लाल घेरे में मास्टरमाइंड आदित्य, नोएडा में श्रमिकों को दिया था भाषण

लखनऊ/नोएडाः (जीएनएस)।

नोएडा, मानेसर और दिल्ली में हाल ही में हुए श्रमिक प्रदर्शनों और बवाल को लेकर अब जांच एजेंसियों ने एक संगठित साजिश का खुलासा किया है। पुलिस और एसटीएफ के मुताबिक, इस पूरे घटनाक्रम के पीछे लखनऊ स्थित एक संगठन की भूमिका सामने आ रही है, जिसने औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के बीच असंतोष को संगठित आंदोलन में बदलने की योजना बनाई थी। जांच में कई संगठनों के नाम, डिजिटल सबूत और वित्तीय लेनदेन सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है, जिसके चलते लखनऊ, नोएडा और दिल्ली में छापेमारी की गई है।

लखनऊ से जुड़ रहे साजिश के तार

जांच में सामने आया है कि इस पूरे नेटवर्क में मजदूर बिगुल संघ, एकता संघर्ष समिति, दिशा, नौजवान भारत सभा और स्त्री मुक्ति लीग जैसे कई संगठनों की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार इन सभी के पीछे लखनऊ स्थित एक संगठन का संचालनकर्ता मुख्य

मास्टरमाइंड बताया जा रहा है, जो पूरे नेटवर्क को नियंत्रित कर रहा था।

आदित्य आनंद और यूट्यूबर हिमांशु गिरफ्तार

इस मामले में पुलिस ने आदित्य आनंद को मुख्य आरोपी के रूप में गिरफ्तार किया है, जबकि दिल्ली से यूट्यूबर हिमांशु को भी हिरासत में लिया गया है। बताया जा रहा है कि हिमांशु प्रदर्शन के दौरान मौके पर मौजूद था और लगातार आदित्य आनंद के संपर्क में था। पुलिस अब दोनों की भूमिका और नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है।

नोएडा फ्लैट बना साजिश का केंद्र, मिला 'ब्लूप्रिंट'

पुलिस जांच के अनुसार, आदित्य आनंद और उसके 24 से अधिक सहयोगी फरवरी से ही यूपी, दिल्ली और हरियाणा के औद्योगिक इलाकों में विरोध प्रदर्शन की रणनीति बना रहे थे। नोएडा के अरुण विहार स्थित किराए के फ्लैट को बैठक केंद्र बनाया गया था, जहां से पूरे आंदोलन की योजना तैयार की गई। तलाशी के दौरान पुलिस को कथित साजिश का विस्तृत ब्लूप्रिंट भी मिला है।

डिजिटल सबूत और फंडिंग नेटवर्क की जांच तेज

एसटीएफ को कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, मोबाइल फोन और दस्तावेज मिले हैं, जिनमें डोनेशन और बैंक ट्रांजेक्शन से जुड़े स्क्रीनशॉट शामिल हैं। पुलिस 100 से अधिक बैंक खातों की जांच कर रही है, जिनके जरिए फंडिंग के सुराग मिलने की संभावना जताई जा रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि संगठन के पास वकीलों और समर्थन नेटवर्क की मजबूत व्यवस्था थी।

अलग-अलग वर्गों के लिए अलग संगठन मॉडल

पुलिस के अनुसार यह नेटवर्क पीएफआई जैसी संरचना पर काम कर रहा था, जिसमें छात्र, महिलाएं और मजदूरों के लिए अलग-अलग संगठन बनाए गए थे। हालांकि, इनके संचालन की कोई औपचारिक लिखित व्यवस्था नहीं थी और पूरा सिस्टम आपसी समन्वय पर आधारित था।

लखनऊ, नोएडा और दिल्ली में छापेमारी

एसटीएफ और यूपी पुलिस की संयुक्त टीमों ने लखनऊ, नोएडा और दिल्ली में कई ठिकानों पर छापेमारी की है। इस दौरान कई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान और भी महत्वपूर्ण खुलासे सामने आ सकते हैं।

प्रदर्शन के बाद रिहाई

नोएडा में प्रदर्शन के बाद हिरासत में लिए गए 1000 से अधिक श्रमिकों को रिहा कर दिया गया है। फिलहाल केवल उन्हीं लोगों पर कार्रवाई जारी है जिन पर गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि मई तक चरणबद्ध प्रदर्शन की योजना बनाई गई थी, जिसे व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाया जाना था।

खामेनेई को मौत के करीब 2 महीने बाद भी ईरान ने क्यों नहीं दफनाया? खामोशी के पीछे बड़ी सच्चाई

(जीएनएस)।

मिडल-ईस्ट (पश्चिम एशिया) की राजनीति में इस वक्त एक ऐसा सस्पेंस गहराया हुआ है, जिसने पूरी दुनिया के कूटनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत को करीब दो महीने (50 दिन) होने को आए हैं, लेकिन अभी तक उन्हें दफनाया नहीं गया है। यह स्थिति ईरान की उन धार्मिक और राजनीतिक परंपराओं के बिल्कुल उलट है, जहां शव को जल्द से जल्द सुपुर्द-ए-खाक करने का रिवाज है।

खामेनेई को दफनाया जाने को लेकर यह देरी सिर्फ एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि ईरान के भीतर और बाहर चल रहे बड़े संकटों की तरफ इशारा करती है। आखिर ऐसी क्या मजबूरी है कि मोजतबा खामेनेई के नेतृत्व वाली नई सरकार अपने 'फाउंडिंग फादर' के उत्तराधिकारी को अंतिम विदाई नहीं दे पा रही है? आइए पूरे मामले की परतें खोलते हैं।

इस कहानी की शुरूआत 28 फरवरी 2026 की उस सुबह से होती है, जब इजरायल और अमेरिका के एक संयुक्त हवाई हमले ने तेहरान स्थित सुप्रीम लीडर के दफ्तर को निशाना बनाया।

86 वर्षीय अयातुल्ला अली खामेनेई उस वक्त अपने ऑफिस में ही मौजूद थे और इस हमले में उनकी जान चली गई। हमले में सिर्फ खामेनेई ही नहीं, बल्कि ईरान के कई अन्य शीर्ष सैन्य और प्रशासनिक अधिकारी भी मारे गए थे। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को युद्ध की आग में झोंक दिया और ईरान की सत्ता संरचना को एक गहरा जख्म दिया।ईरान ने आधिकारिक तौर पर इस देरी पर कोई बयान नहीं दिया है, लेकिन 'अस्तान कुद्स रजवी' फाउंडेशन (जो इमाम रजा पवित्र दरगाह का प्रबंधन देखता है) ने संकेत दिए हैं कि मशहद शहर में अभी तक दफनाने की जगह फाइनल नहीं हो पाई है। लेकिन एक्सपर्ट्स इसे केवल जमीन की कमी का मामला नहीं मान रहे हैं।

फाउंडेशन फॉर डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसीज के सीनियर फेलो बेहनम तालेब्लू का मानना है कि ईरानी शासन इस वक्त भारी दबाव और डर के साए में है। अमेरिका के साथ हुआ युद्धविराम बेहद नाजुक है और उसकी समय-सीमा भी खत्म होने वाली है। ऐसे में ईरान कोई भी ऐसा जोखिम नहीं उठाना चाहता जो सरकार के लिए मुसीबत बन जाए।

मशहद का चुनावः इजरायल से दूरी और सुरक्षा का घेरा

ईरानी प्रशासन खामेनेई को उनके पैतृक शहर मशहद में दफनाने की योजना बना रहा है। यह शहर तुर्कमेनिस्तान की सीमा पर स्थित है, जो इजरायल से काफी दूर है। मशहद में इमाम रजा की दरगाह शिया इस्लाम के सबसे पवित्र स्थलों में से एक है। यहाँ की सुरक्षा व्यवस्था इतनी चाक-चौबंद है कि इसे किसी भी हमले से बचाने के लिए एक किले के रूप में देखा जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसी कड़ी सुरक्षा और इजरायल से भौगोलिक दूरी की वजह से मशहद को अंतिम विश्राम स्थल के रूप में चुना जा रहा है।

इजरायली बमबारी का डरः 1989 में जब अयातुल्ला खुमैनी का निधन हुआ था, तो लाखों की भीड़ उमड़ी थी। वर्तमान सरकार को डर है कि यदि खामेनेई के लिए ऐसा ही भव्य आयोजन किया गया, तो इजरायल उस बड़ी भीड़ या आयोजन स्थल को निशाना बना सकता है।

आंतरिक विद्रोह की आशंकाः ईरान में इस साल की शुरूआत में सरकार विरोधी प्रदर्शन देखे गए थे। प्रशासन को डर है कि अंतिम संस्कार के दौरान जुटने वाली भीड़ कहीं 'नेशनलिस्ट काउंटर-रैली' या तख्तापलट के विरोध में न बदल जाए।

550 दिनों का इंटरनेट ब्लैकआउटः तालेब्लू के मुताबिक ईरान में पिछले 50 दिनों से लगा इंटरनेट प्रतिबंध यह बताने के लिए काफी है कि सरकार को सच्चाई बाहर आने और उसके परिणामों का कितना डर है।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा सवाल नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को लेकर है। पिता की मौत के बाद मोजतबा को नया सुप्रीम लीडर चुना गया, लेकिन वे तब से एक बार भी सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं।

◆9 अप्रैल की खामोशीः जब अली खामेनेई की मौत के 40 दिन पूरे होने पर देशव्यापी शोक कार्यक्रम आयोजित किए गए, तब भी मोजतबा नदारद थे।

◆अस्वस्थता की खबरेंः कुछ अपुष्ट रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि मोजतबा अचेत या गंभीर रूप से बीमार हैं। यदि अली खामेनेई का अंतिम संस्कार होता है, तो मोजतबा की अनुपस्थिति सरकार के लिए स्पष्टीकरण देना नामुमकिन बना देगी।

इतिहास और वर्तमान की तुलना

बेहनम तालेब्लू कहते हैं कि यह स्थिति ईरान की कमजोरी को उजागर करती है। 1989 में जब खुमैनी का निधन हुआ, तो शासन ने पूरी दुनिया को अपनी ताकत और जनसमर्थन दिखाया था। लेकिन एक पीढ़ी बाद, आज का शासन अपने नेता को दफनाने तक की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। यह सन्नाटा और देरी ईरानी सत्ता के भीतर की अस्थिरता और इजरायली हमलों से पैदा हुए मनोवैज्ञानिक खौफ की गवाही दे रही है।

आगे क्या होगा?

फिलहाल, तेहरान से लेकर मशहद तक सस्पेंस बना हुआ है। क्या ईरान गुपचुप तरीके से अंतिम संस्कार करेगा? या वह किसी ऐसे कूटनीतिक मोड़ का इंतजार कर रहा है जहाँ वह अपनी जनता के सामने एक बार फिर से अपना दबदबा साबित कर सके? जब तक मोजतबा खामेनेई सामने नहीं आते या सुरक्षा हालात पूरी तरह सामान्य नहीं होते, तब तक ईरान के इस सबसे शक्तिशाली नेता का शव एक 'फाइनल रेस्टिंग प्लेस' की तलाश में ही रहेगा।

अयातुल्ला अली खामेनेईः जन्म से लेकर निधन तक का सफर

◆जन्म और प्रारंभिक जीवनः अली खामेनेई का जन्म 19 अप्रैल 1939 को ईरान के पवित्र शहर मशहद में हुआ था। वह एक धार्मिक परिवार से ताल्लुक रखते थे और उनके पिता एक प्रसिद्ध मौलवी थे।

◆धार्मिक शिक्षाः उन्होंने अपनी शुरूआती धार्मिक शिक्षा मशहद में ली और बाद में उच्च शिक्षा के लिए नजफ (इराक) और कोम (ईरान) जैसे प्रतिष्ठित इस्लामी केंद्रों में गए, जहां उन्होंने इस्लामी कानून और दर्शन में महारत हासिल की।

◆क्रांतिकारी गतिविधियांः 1960 और 70 के दशक में वह शाह मोहम्मद रजा पहलवी के शासन के खिलाफ मुखर रहे। इस दौरान उन्हें कई बार गिरफ्तार किया गया और निर्वासन (एुुी) में भी रहना पड़ा। वह अयातुल्ला खुमैनी के बेहद करीबी शिष्यों में से एक बन गए।

◆1979 की इस्लामी क्रांतिः ईरान की इस्लामी क्रांति के सफल होने के बाद, खामेनेई ने नई सरकार में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाईं।

पीएम मोदी के दौरे से ठीक पहले पचपदरा रिफाइनरी में लगी आग, क्या थी वजह?

(जीएनएस)।

राजस्थान के बालोतरा जिले में स्थित एचपीसीएल पचपदरा रिफाइनरी से सोमवार दोपहर एक झकझोर देने वाली खबर सामने आई। रिफाइनरी के सबसे महत्वपूर्ण हिस्से, क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट में अचानक भीषण आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया।

यह हादसा उस समय हुआ जब पूरी रिफाइनरी दुल्हन की तरह सजी हुई थी और अगले ही दिन, यानी मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका भव्य उद्घाटन करने वाले थे। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि धुएं का काला गुबार कई किलोमीटर दूर से देखा जा सकता था। इस घटना के बाद सुरक्षा कारणों से प्रधानमंत्री का

प्रस्तावित दौरा और उद्घाटन कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर दिया गया है, जिससे प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

TOI की रिपोर्ट के के अनुसार, आग रिफाइनरी की मुख्य उउ्र-श्उ्र के पास लगी। बताया जा रहा है कि एक एक्सचेंजर में अचानक जोरदार धमाका हुआ, जिसके बाद लपटें तेजी से फैल गईं। गौरतलब है कि यही वह मुख्य यूनिट थी जिसका लोकार्पण प्रधानमंत्री के हाथों होना तय था। हालांकि, आग लगने के सटीक तकनीकी कारणों की जांच अभी जारी है, लेकिन इस हादसे ने रिफाइनरी की सुरक्षा तैयारियों पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

युद्धस्तर पर चला राहत कार्य, मौके पर पहुंचीं 30 से ज्यादा दमकलें

हादसा होते ही रिफाइनरी का इंटरनल फायर सेफ्टी सिस्टम सक्रिय कर दिया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस और सिविल डिफेंस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। करीब 30 से 35 दमकल गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिशें शुरू हुईं। दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित किया जा सका। राहत की सबसे बड़ी बात यह रही कि समय रहते सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया और किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आग लगते ही परिसर में काम कर रहे सैकड़ों इंजीनियरों, श्रमिकों और अन्य स्टाफ को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला गया।

रोहतक में बाबा साहेब की प्रतिमा टूटने पर तनाव, अनुराग ढांडा बोले- भाजपा सरकार में अपराधी बेलगाम

(जीएनएस)।

हरियाणा के रोहतक जिले में कलानौर ब्लॉक के खैरड़ी गांव में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा खंडित किए जाने के मामले ने अब बड़ा राजनीतिक तूल पकड़ लिया है।

आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने इस घटना को लेकर भाजपा सरकार और हरियाणा पुलिस की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोला है।

लगभग दो सप्ताह पहले 9 अप्रैल को हुई इस घटना के बाद से ही गांव में भारी तनाव व्याप्त है। आप नेता ने आरोप लगाया है कि सरकार और पुलिस की ढिलाई की वजह से अपराधी अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं।

अनुराग ढांडा ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि खैरड़ी गांव के 'सद्भावना स्थल' पर बाबा साहेब और सर छोटूराम की प्रतिमाएं एकता के प्रतीक के रूप में स्थापित की गई थीं। लेकिन 9 अप्रैल की रात को एक गहरी साजिश के तहत बाबा साहेब की प्रतिमा को खंडित कर दिया गया।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

यूएस का ईरान के प्रति कड़ा रुख

समझौते की उम्मीद नहीं, चुकि एक तरफ ईरान अड़ा हुआ है कि वह होर्मुज समुद्री मार्ग तब तक नहीं खोलेगा जब तक कि अमेरिका उसके बंदरगाहों पर लगाईं गईं नाकेबंदी को नहीं हटाता जबकि दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए दो टूक कहा है कि यदि उनकी शत्रे ईरान नहीं मानता तो अमेरिका ईरान के हर पुल और बिजली संयंत्र को उड़ा देगा।

ट्रंप ने कहा कि अच्छा दिखाने और नरमी बरतने का दौर खत्म हो गया।

दरअसल होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान की पलटी को अमेरिका युद्ध विराम का उल्लंघन मानता है और जब भी उसे अपने विरोधी के खिलाफ हमला तेज करना होता है तो वह पहला काम यही करता है कि उस पर गंभीर आरोप लगाता है। अमेरिका द्वारा ईरान पर लगाए गए आरोप इतने गंभीर हैं कि बातचीत का माहौल ही बदल सकते। सोमवार को अमेरिका और ईरान के बीच दूसरी बार इस्लामाबाद में होने वाली वार्ता का मुख्य वेंद्र होर्मुज स्ट्रेट ही रहने वाला है। ईरान कोशिश करेगा कि वह अपने बंदरगाहों पर लगे अमेरिकी नाकेबंदी को समाप्त कराने के लिए अमेरिका को सहमत करे कितु लगता है कि बात फिर होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान के अिड़यल रुख के कारण टूट जाए। असल में समझौता तभी हो सकता है जब सौदेबाजी सफल हो जाए। यहां तो दोनों की शत्रे प्रतिष्ठा का मानक बनी हुई हैं।

सच तो यह है कि समझौता तभी होता है जब दोनों पक्ष पीछे हटने की कोशिश करें। यहां तो अमेरिका पहले ही अपना लक्ष्य शतरे के माध्यम से स्पष्ट कर देता है और पीछे हटने के बजाए पीछे धकेलने की कोशिश करता है। ठीक उसी की तरह ईरान है। इस वक्त ईरान में कोई राजनीतिक सरकार सव्रिय है ही नहीं। जो भी पैसला होता है, उसे इस्लामिक रिपब्लिकन गार्डस ले रहे हैं। यही कारण है कि ईरान भय वश वार्ता के लिए इस्लामाबाद तो आ जाता है कितु वह आज भी समझौते के मनःस्थिति में नहीं है।

ईरान को गलतफहमी है कि वह होर्मुज समुद्री मार्ग को हथियार के तौर पर सौदेबाजी के लिए इस्तेमाल कर लेगा कितु अमेरिका को लगता है कि यदि उसने ईरान को ज्यादा समय दिया तो स्थिति और बिगड़ सकती है।

ईरान की समझ में एक बात अभी तक नहीं आई कि इस युद्ध में वह अकेले अमेरिका से ही नहीं लड़ रहा है। उसका एक दुश्मन इजरायल भी है।

इजरायल अभी तक ईरान पर हमले इसलिए नहीं कर रहा है कि अमेरिका ने वार्ता को तोड़ने का अधिवृत घोषणा नहीं की है कितु इजरायल ईरान के घोषित आतंकी संगठनों हिजबुल्लाह, हमास और हूती को आज भी मार रहा है। यदि ईरान इतना ही युद्धबंदी के अनिच्छुक है तो उसे वार्ता के टेबल पर तब तक नहीं आना चाहिए था, जब तक कि इजरायल का प्रतिनिधि मंडल शामिल न होता। कहने का मतलब यह है कि एक तरफ तो उन्हें डर भी लग रहा है कि यदि वार्ता में हिस्सा लेने से मना किया तो राष्ट्रपति, संसद के स्पीकर और विदेश मंत्री को अमेरिका तुरंत उड़ा देगा। अमेरिका ने तुकी, यूएई और पाकिस्तान के अनुरोध पर ईरान के इन तीन नेताओं को छोड़ रखा है ताकि वाताएं चलती रहें। दूसरी तरफ ईरान के अंदर अकड़ इतनी है कि उन देशों के प्रति भी नरमी नहीं बरतता जो सीधे उसके खिलाफ किसी भी कार्रवाई के हिस्सा नहीं हैं। भारत के जहाजों को रोककर उसने इस बात का एहसास दिला दिया कि ईरान पर पूरी तरह भरोसा करना नासमझी होगी।

बहरहाल लगता तो यही है कि या तो ईरान होर्मुज स्ट्रेट पर झुकेगा अन्यथा तीसरी वार्ता के पहले ईरान में वुछ बड़ा होगा। कारण कि अब ट्रंप ने अमेरिकी जनता और दुनिया को यह संदेश सफलतापूर्वक दे दिया है कि उसने तो बहुत कोशिश कर ली कितु जिद्दी ईरान मानता ही नहीं। इसलिए वह अब ईरान को सबक सिखाने के लिए जो कार्रवाई करेगा उससे वह मुल्क तबाह हो जाएगा। अमेरिका की विवशता यह है कि यदि वह ईरान के सामने झुक गया तो उसकी बादशाहत को कौन पूछेगा!

होर्मुज स्ट्रेट में भारतीय झंडे वाले जहाजों पर हमलाः भारत के पास क्या हैं विकल्प?

(जीएनएस)।

होर्मुज स्ट्रेट में जारी तनाव के बीच दो भारतीय जहाजों पर गोलीबारी की घटना ने भारत के लिए स्थिति जटिल कर दी है.

भारत ने इस घटनाक्रम के बाद दिल्ली में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथाली को बुलाया और गंभीर चिंता जताई.

भारत के विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने ईरानी राजदूत के साथ बैठक के दौरान समुद्री सुरक्षा और नेविगेशन की स्वतंत्रता के महत्व पर भी जोर दिया.

भारत ने ईरान से अपील भी की है कि भारत की ओर आने वाले जहाजों के लिए होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित और बिना रुकावट आवाजाही बहाल की जाए.

भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत अपने जहाजों को सुरक्षित वापस लाने के लिए ईरान और अन्य देशों के संपर्क में है.

वहीं भारत में ईरान के सुप्रीम लीडर के प्रतिनिधि डॉक्टर अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा, "ईरान और भारत का रिश्ता बहुत मजबूत है और मुझे इस घटना के बारे में जानकारी नहीं है. हम उम्मीद करते हैं कि सब ठीक होगा और यह मामला सुलझ जाएगा."

शनिवार को व्हाइट हाऊस में जब बीबीसी की सहयोगी सीबीसी न्यूज ने इस घटनाक्रम पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप से सवाल किया तो उन्होंने जवाब नहीं दिया.

6 अप्रैल 2026

ट्रंप की होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने की धमकी से क्या भारत की मुश्किलें बढ़ेंगी?

13 अप्रैल 2026

समाप्त

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में क्या हुआ?

भारत में ईरान के सुप्रीम लीडर के प्रतिनिधि डॉ अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने कहा कि ईरान और भारत का रिश्ता बहुत मजबूत हैइमेज स्रोत,अठक

इमेज कैप्शन,भारत में ईरान के सुप्रीम लीडर के प्रतिनिधि डॉ अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने कहा कि ईरान और भारत का रिश्ता बहुत मजबूत है

शनिवार को टैंकरों की आवाजाही पर निगरानी रखने वाली वेबसाइट टैंकर ट्रैकर्स ने दावा किया था कि आईआरजीसी की नौसेना ने दो भारतीय जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से पीछे हटने के लिए मजबूर किया था. ये दावा भी किया गया है कि इस घटनाक्रम के दौरान 'गोलीबारी' भी हुई.

छोड़कर सबसे अधिक पढ़ी गईं आगे बढ़ें

सबसे अधिक पढ़ी गईं

गालिबाफ

गालिबाफ ने बताया ईरान की अमेरिका के साथ बातचीत में कहां फंसा है पेच

डोनाल्ड ट्रंप

भारतीय झंडे वाले जहाजों पर फायरिंग के बारे में अब तक क्या-क्या पता है, ट्रंप से भी पूछा गया सवाल

नमिता थापर

'ट्रोलर्स चालू रहें, भगवान देख रहा है': नमिता थापर नमाज को लेकर बनाए वीडियो से सोशल मीडिया पर चर्चा में

नंदीग्राम

नंदीग्राम में चुनाव आयोग के 'इन तर्कों' से कटे नामों में 95 फीसदी मतदाता मुसलमान- ग्राउंड रिपोर्ट

समाप्त

हालांकि, ऐसे कोई संकेत नहीं है कि जहाजों को खासतौर से भारतीय होने की वजह से निशाना बनाया गया.

वहीं बीबीसी वेरीफाई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जब होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोला जा रहा था भारतीय झंडे वाले दो जहाजों, कार्गो शिप जग अर्नव और तेल टैंकर सनमार हेराल्ड, को ईरान की आईआरजीसी ने अपने निर्धारित मार्ग से हटने के आदेश दिए.

यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेसंश के मुताबिक, आईआरजीसी ने एक जहाज पर गोलीबारी भी की.

मैरीटाइम ट्रैफि क पर रिपोर्ट करने वाली वेबसाइटों के मुताबिक, इस घटना के बाद भारतीय जहाज होर्मुज स्ट्रेट से पीछे की तरफ हट गए.

तेल टैंकर सनमार हेराल्ड भारत के लिए तेल लेकर आ रहा था.

इस घटनाक्रम से एक दिन पहले ही ईरान के विदेश मंत्री अब्बास

अरागची ने जानकारी दी थी कि स्ट्रेट को ट्रैफि क के लिए खोल दिया गया है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इसका स्वागत किया था.

हालांकि, अमेरिका की ओर से होर्मुज स्ट्रेट में नाकाबंदी जारी रही. इसके बाद ईरान ने स्ट्रेट को फिर से बंद करने की घोषणा कर दी थी.

संकट के बीच होर्मुज स्ट्रेट से गुजर चुके हैं भारतीय जहाज

इमेज कैप्शन,चार मार्च को होर्मुज स्ट्रेट में ट्रैफि क पूरी तरह बंद था, हालांकि बाद में रह-रहकर कुछ आवाजाही हुई है

फरवरी के अंत में अमेरिका-इसराइल के ईरान पर हमले के बाद शुरू हुए होर्मुज संकट के बीच अब तक कम से कम दस भारतीय जहाज होर्मुज को पार कर चुके हैं.

भारतीय मीडिया की रिपोर्टों के मुताबिक, शुक्रवार को भी भारतीय झंडे वाला एक तेल टैंकर होर्मुज से गुजरने में कामयाब रहा था.

एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चालक दल के 31 सदस्यों के साथ तेल टैंकर देश गरिमा होर्मुज से निकलकर मुंबई की तरफ बढ़ रहा है.

शिपिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया के मुताबिक, इस संकट के दौरान होर्मुज से गुजरने वाला यह दसवां भारतीय जहाज है.

हालांकि, ये जहाज रह-रहकर ही होर्मुज से गुजर पाए हैं और इस अहम समुद्री मार्ग पर ईरान की कड़ी नाकेबंदी है.

भारत अपनी कुल तेल जरूरतों का लगभग 85 फीसदी आयात करता है और इनमें से 55-60 फीसदी तक कच्चा तेल खाड़ी देशों से आता है, जिनका प्रमुख मार्ग होर्मुज स्ट्रेट ही है.

होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे अहम समुद्री चोकपॉइंट्स में से एक है और दुनिया का बीस फीसदी कच्चा तेल इसी मार्ग से गुजरता है.

ऐसे में, होर्मुज की स्थिति का सीधा असर भारत पर पड़ता है

भारत के पास आगे क्या विकल्प

होर्मुज स्ट्रेट को लेकर एक बार फिर से अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ गया हैइमेज स्रोत,रत्नअऊ अछअररअफ/अठअऊडछव शकअ ऋएळळ क्टअऋएर

इमेज कैप्शन,होर्मुज स्ट्रेट को लेकर एक बार फिर से अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ गया है. (फाइल फोटो)

भारत ने शनिवार के घटनाक्रम के बाद ईरानी राजदूत को तलब कर अपनी चिंता जाहिर की है. लेकिन ये सवाल बना हुआ है कि ऐसी स्थिति में भारत के पास और क्या विकल्प हो सकते हैं.

विश्लेषक मान रहे हैं कि भारत ने सोची-समझी रणनीति के तहत ईरान की कार्रवाई के बाद संतुलित और नपी-तुली प्रतिक्रिया दी है. विश्लेषकों के मुताबिक इस समय भारत की प्राथमिकता ऊर्जा सुरक्षा है और भारत के लिए विकल्प सीमित हैं.

अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार हर्ष वी पंत इस स्थिति की वास्तविकता की तरफ इशारा करते हुए कहते हैं, ह्लहोर्मुज स्ट्रेट की मौजूदा स्थिति में सिर्फ. भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के किसी भी देश के पास विकल्प बहुत सीमित हैं. अमेरिका और ईरान को छोड़कर दुनिया के अन्य देश यहां बहुत कुछ करने की स्थिति में नहीं हैं.ह्व विश्लेषक मान रहे हैं कि मौजूदा टकराव में बहुत कुछ सिर्फ. अमेरिका और ईरान के हाथ में है और भारत समेत दुनिया के बाकी देश ना ही इसके प्रभाव को कम करने की स्थिति में है और ना ही इसे नियंत्रित करने की. रक्षा विश्लेषक उदय भास्कर मानते हैं कि मौजूदा स्थिति में कूटनीति ही भारत के पास सबसे अधिक संभावनाओं वाला विकल्प है. उदय भास्कर कहते हैं, ह्लभारत के पास सबसे बेहतर विकल्प कूटनीति का है, मौजूदा सैन्य हालात में बातचीत ही भारत के लिए एकमात्र रास्ता दिखाई देता है.ह्व होर्मुज संकट के बीच भारत ने लगातार ईरान से बातचीत करने का प्रयास किया है और ईरान से फ्रीडम ऑफ नेविगेशन यानी समुद्री रास्ते के इस्तेमाल की मांग की है. फ्रीडम ऑफ नेविगेशन यानी स्वतंत्र नौवहन की स्वतंत्रता समुद्री कानून का एक मौलिक सिद्धांत है जिसका मतलब है कि किसी स्वतंत्र देश का जहाज दूसरे देशों के अनुचित हस्तक्षेप के बिना समुद्र में नौवहन कर सकता है. यह संविधान संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून अभिसयम (यूएनसीएलओएस-1982) पर आधारित है. यूएनसीएलओएस के तहत समुद्र को अलग-अलग हिस्सों में बांटा गया है. खुले समुद्र यानी 'हाई सीज' किसी भी देश की सीमा से बाहर होते हैं और इसमें सभी देशों को पूरी तरह स्वतंत्र नौवहन की आजादी होती है.

'जब हम कहें तभी...', हॉर्मुज में जहाजों पर फायरिंग के बाद भारत ने जारी की नई एडवाइजरी, जानें क्या कहा?

(जीएनएस)।

होर्मुज स्ट्रेट में 2 भारतीय जहाजों पर गोलीबारी की घटना के बाद 18 अप्रैल को भारतीय नौसेना ने जलडमरूमध्य के पास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है. भारतीय नौसेना ने फारस की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले जहाजों के लिए नई एडवाइजरी जारी की है, जिसमें उन्हें लारक द्वीप से दूर रहने और केवल नेवी के निर्देश पर ही वहां से गुजरने को कहा गया है, ताकि सुरक्षा सुनिश्चित हो सके.

सूत्रों के हवाले से बताया कि भारतीय नौसेना होर्मुज पार करने के लिए इंतजार कर रहे सभी भारतीय जहाजों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है. अब तक 11 भारतीय जहाज जलडमरूमध्य पार कर चुके हैं. आखिरी टैंकर, देश गरिमा 18 अप्रैल को पार हुआ था. उसी दिन 2 भारतीय जहाजों जग अर्नव और सनमार हेराल्ड पर ईरानी गार्डों द्वारा गोलीबारी किए जाने के बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा था.

देश गरिमा जहाज कब पहुंचेगा भारत

होर्मुज स्ट्रेट पार करने के बाद देश गरिमा को अरब सागर में भारतीय नौसेना द्वारा सुरक्षा प्रदान की जा रही है और इसके 22 अप्रैल को मुंबई पहुंचने की उम्मीद है. लारक द्वीप

होर्मुज के सबसे संकरे बिंदु पर स्थित है और ईरान के तेल इंफ्रास्ट्रक्चर का एक बड़ा हिस्सा यहीं स्थित है. ईरान के ऊर्जा क्षेत्र के लिए यह द्वीप अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसके आस-पास के जलक्षेत्र की कड़ी सुरक्षा की जाती है.

लारक द्वीप को लेकर चौकन्ना है ईरान

होर्मुज से होकर गुजरने वाले जहाजों पर बंकरों और रडार प्रणालियों के नेटवर्क के माध्यम से कड़ी निगरानी रखी जाती है. लारक द्वीप होर्मुज द्वीप के दक्षिण में लगभग 33 किलोमीटर चौड़ी होर्मुज जलडमरूमध्य में स्थित है, जो ईरान-अमेरिका संघर्ष से पहले वैश्विक तेल का लगभग 20% परिवहन करने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग था.

भारतीय नौसेना के 7 जहाज तैनात

रिपोर्टों के अनुसार, वहां कई ईरानी अड्डे भी संचालित हैं, जो छोटे और तेज गति वाले जहाजों को निशाना बनाने के लिए तैनात करने में सक्षम हैं. वर्तमान में 14 भारतीय जहाज फारस की खाड़ी में हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य पार करने का इंतजार कर रहे हैं. भारतीय नौसेना इन जहाजों के साथ लगातार संपर्क में है और उन्हें अनुमति मिलने के बाद ही आगे बढ़ने की सलाह दी है. फारस की खाड़ी के निकट भारतीय नौसेना के 7 जहाज तैनात किए गए हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य पार करने के बाद भारतीय जहाजों को सुरक्षा प्रदान करेंगे.

लखनऊ सुपर जायंट्स की होने वाली है मौज, टीम से जुड़ने जा रहा है विस्फोटक बल्लेबाज, जानिए कौन

ऋषभ पंत की कप्तानी में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम आईपीएल 2026 में भी जूझ रही है. उसकी बैटिंग बड़े रन बनाने में नाकाम साबित हो रही है. इस बीच टीम से एक तगड़ा खिलाड़ी जुड़ने वाला है.

लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम आईपीएल 2026 में संघर्ष कर रही है. टीम छह में से केवल दो मुकाबले अभी तक जीत सकी है. इस बीच लखनऊ के लिए अच्छी खबर है. ऑस्ट्रेलिया के तूफानी विकेटकीपर बल्लेबाज जॉश इंग्लिस टीम का हिस्सा बनने जा रहे हैं. वे 4 मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले मैच से पहले आईपीएल 2026 के लिए पहुंच जाएंगे. वे शादी की वजह से इस सीजन के पहले हाफ में नहीं खेल पाए.

जानकारी के अनुसार, जॉश इंग्लिस की शादी 18 अप्रैल को हुई. वे इसके बाद एक सप्ताह परिवार के साथ बिताएंगे. फिर भारत के लिए रवाना हो जाएंगे. इंग्लिस आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के साथ थे. तब उन्होंने 162.57 की स्ट्राइक रेट से 278 रन

बनाए थे. उन्हें आईपीएल 2026 ऑक्शन से पहले रिलीज कर दिया गया. पंजाब ने यह समझा है कि इंग्लिश शादी व पारिवारिक कारणों के चलते कुछेक मैच ही खेल पाएंगे. ऑक्शन में लखनऊ सुपर जायंट्स ने इंग्लिस को 8.6 करोड़ रुपये में लिया.

जॉश इंग्लिस को किनकी जगह मिलेगा मौका

अगर इंग्लिस 4 मई से लखनऊ के लिए खेलने को उपलब्ध होते हैं तो वे इस सीजन छह मैच खेल पाएंगे. उनके लिए कप्तान ऋषभ पंत और हेड कोच जस्टिन लैंगर को प्लेइंग इलेवन में बदलाव करने होंगे. अभी लखनऊ की टीम मिचेल मार्श, एडन मार्करम और निकोलस पूरन के रूप में तीन विदेशी बल्लेबाज खिलाती है. अगर इंग्लिस को खिलाया जाता है तो किसी एक को बाहर जाना पड़ेगा. पूरन की फॉर्म अभी काफी खराब चल रही है. वे छह पारियों में 80 के आसपास की स्ट्राइक रेट से 51 रन ही बना सके हैं.

लखनऊ को 6 मैच में मिली सिर्फ दो जीत

लखनऊ की टीम अभी अंक तालिका में आठवें स्थान पर है. उसे छह में से चार हार मिली है. उसका आखिरी मैच पंजाब किंग्स के साथ था

बाबरें ने रचा इतिहास, टूट गया विराट और गेल का सबसे खतरनाक रिकॉर्ड!

(जीएनएस)।

पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने पीएसएल 2026 में इतिहास रच दिया। पेशावर जाल्मी की ओर से खेलते हुए बाबर ने क्वेटा ग्लैडिएटर्स के खिलाफ शानदार शतक जड़ा। इसके साथ ही उन्होंने टी-20 क्रिकेट के इतिहास में विराट कोहली और क्रिस गेल जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

बाबर आजम अब टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज 12,000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह मुकाम महज 338 पारियों में हासिल किया। बाबर ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली (360 पारी) और वेस्टइंडीज के यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल (344 पारी) के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है। यह बाबर के टी-20 करियर का 12वां शतक था। वे अब क्रिस गेल

(22 शतक) के बाद सबसे ज्यादा टी-20 सेंचुरी लगाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज हैं।

783 दिन का सूखा खत्म, बनाया अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड

बाबर के लिए यह शतक इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने टी-20 फॉर्मेट में 783 दिनों के लंबे अंतराल के बाद तीन अंकों का आंकड़ा छुआ है। बाबर ने 52 गेंदों में नाबाद 100 रनों की पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 4 छक्के शामिल थे। हैरानी की बात यह है कि पूरी पारी में उन्होंने केवल एक डॉट बॉल खेली। टी-20 इतिहास में यह पहली बार हुआ है जब किसी बल्लेबाज ने 50 से ज्यादा गेंदें खेली हों और सिर्फ एक गेंद खाली गई हो।

बाबर आजम और कुसल मेंडिस (83 रन) के बीच हुई 135 रनों की साझेदारी की बदौलत पेशावर जाल्मी ने 20 ओवर में 255/3 का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह पीएसएल इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर रहा। इसके जवाब में क्वेटा की टीम महज 137 रनों पर सिमट गई और पेशावर ने 118 रनों के बड़े अंतर से मैच जीत लिया।

जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र को समझने के लिए देश ही नहीं, विदेश से भी आते हैं लोग

(जीएनएस)।

लखनऊः ऐसा दुर्लभ संग्रह यूपी ही नहीं, देश में ही शायद कहीं और हो. बिजली पैदा करने वाली मछली से लेकर फेफड़ों से सांस लेने वाली मछली, दुर्लभ कछुआ, उड़ने वाली दुर्लभ छिपकली और स्लॉथ जैसे जीवों के जीवाश्म-कंकाल यहां आपको देखने को मिल जाएंगे. जैव विविधता का ये एक बड़ा खजाना है. हम बात कर रहे हैं लखनऊ विश्वविद्यालय में प्राणीशास्त्र विभाग स्थित डॉ. एससी बाग संग्रहालय की. यह एकमात्र ऐसा संग्रहालय है, जहां जलचर और थलचर की सैकड़ों विविध प्रजातियों के नमूने एक साथ देखने को मिलेंगे. यह संग्रहालय पारिस्थितिकी तंत्र को करीब से जानने-समझने का एक बेहतरीन जरिया है.

1925 में हुई थी स्थापनाः विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर अमिता कनौजिया बताती हैं कि प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय वह स्थान होता है, जहां प्राकृतिक दुनिया से जुड़े विभिन्न नमूनों को एकत्रित कर संरक्षित और प्रदर्शित किया जाता है. यहां विकास (इवोल्यूशन), जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ी जानकारी को बेहद रोचक तरीके से प्रस्तुत किया जाता है. बताया कि इस संग्रहालय की स्थापना वर्ष 1925 में प्रसिद्ध प्राणीशास्त्री प्रो. एससी बाग द्वारा की गई थी. उस समय इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों के शिक्षण और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए पशु नमूनों का व्यवस्थित संग्रह तैयार करना था. लखनऊ विश्वविद्यालय, जिसकी स्थापना 25 नवंबर 1920 को हुई थी, देश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित सरकारी विश्वविद्यालयों में आज गिना जाता है. वहीं प्राणीशास्त्र विभाग की शुरूआत 1921 में हुई थी, जो आज भी अपनी समृद्ध विरासत को संजोए हुए है.

1800 से अधिक दुर्लभ नमूनों का संग्रहः संग्रहालय में 1800 से अधिक संरक्षित नमूने संरक्षित हैं, इनमें

अकशेरुकी और कशेरुकी जीवों की विविध प्रजातियां शामिल हैं. अकशेरुकी वर्ग में पोरीफेरा, नीडारिया, प्लेटीहेल्मिन्थीस, एनेलिडा, आर्थोपीडा, मोलस्का और इकाइनोडमेर्टा जैसे प्राणी समूहों के नमूने रखे गए हैं. वहीं कशेरुकी वर्ग में मछलियां, उभयचर, सरीसृप, पक्षी और स्तनधारी जीव शामिल हैं.

आकर्षण का केंद्र हैं विशेष नमूनेः बताती हैं, संग्रहालय में संरक्षित कई दुर्लभ और रोचक नमूने भी देखने को मिलते हैं. इनमें उड़ने वाला स्तनधारी चमगादड़, अंडे देने वाला स्तनधारी प्लैटिपस, बिजली पैदा करने वाली मछली, फेफड़ों से सांस लेने वाली मछली, आलसी बंदर, दुर्लभ कछुए के साथ स्लॉथ जैसे जीव विशेष आकर्षण का केंद्र हैं.

म्यूजियम में क्या खास.

इसके अलावा कंकाल संग्रह, टैक्सीडर्मी (भरे हुए जानवर), जीवाश्म और विभिन्न वैज्ञानिक मॉडल भी यहां प्रदर्शित किए गए हैं. घोंघा, मच्छर, फैसिओला और हिरुडिनेरिया के जैविक तंत्र के मॉडल स्टूडेंट्स को जटिल अवधारणाओं को समझने में मदद करते हैं.

शिक्षा, अनुसंधान और संरक्षण में अहम भूमिकाः यह संग्रहालय न केवल जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, बल्कि वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए भी उपयोगी डेटा उपलब्ध कराता है. साथ ही यह लोगों को पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों के प्रति जागरूक करने का भी काम करता है.

अपनी तरह का अनोखा म्यूजियमः म्यूजियम की देखरेख करने वाले अरविंद सिंह ने बताया कि कि ऐसे संग्रहालय पृथ्वी पर जीवन के करोड़ों वर्षों के इतिहास को समझने का जीवंत माध्यम हैं. जहां जीवाश्म और नमूने यह बताते हैं कि समय के साथ जीवन कैसे विकसित हुआ, लेकिन जब से वाइल्डलाइफ लाइफ एक्ट आया है, उसके बाद से म्यूजियम को विस्तार देना काफी मुश्किल हो गया है. कहा कि देश-दुनिया में कई म्यूजियम हैं और हर म्यूजियम अपनी अलग खासियत रखती है, लेकिन लखनऊ यूनिवर्सिटी के जीव विज्ञान का म्यूजियम बेहद खास है. इस तरह का म्यूजियम विश्व स्तर पर पूरे एशिया में नहीं मौजूद है.

बड़ी संख्या में आते हैं शोधकर्ताः बताया कि म्यूजियम में सिर्फ एक ही तरह की मछलियां नहीं हैं, बल्कि अलग-अलग प्रकार हैं. केकड़ा ,सांप, बंदर के साथ जानवरों के अलग-अलग प्रकार के नेचुरल नमूने मौजूद हैं. जो दूसरे म्यूजियम में नहीं पाए जाते हैं. कहा कि यही वजह है कि हमारे यहां न सिर्फ देश से, बल्कि विदेश से भी बड़ी संख्या में शोधकर्ता इस म्यूजियम को देखने आते हैं. कुछ दिन पहले ही उत्तराखंड के गवर्नर भी यहां आए थे. उन्होंने हैरानी का इजहार किया. कहा कि सबसे बड़ी बात यह है कि हमारे यहां मनुष्य के दिमाग का नेचुरल नमूना मौजूद है, जो अन्य म्यूजियम में नहीं है. मनुष्य का दिमाग कैसे काम करता है यह समझने के लिए छात्रों को काफी आसानी होती है.

म्यूजियम में जानवरों के नमूने.

लखनऊ विश्वविद्यालय का यह संग्रहालय आज भी अपनी समृद्ध विरासत को सहेजे हुए नई पीढ़ी को प्रकृति के प्रति जागरूक करने में अहम योगदान दे रहा है. यह न केवल शैक्षणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि शहर की सांस्कृतिक और वैज्ञानिक पहचान का भी एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है.

लखनऊ यूनिवर्सिटी के छात्रों ने फीस वृद्धि के खिलाफ किया प्रोटेस्ट, वीसी ऑफिस का घेराव कर की नारेबाजी

लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस बढ़ोतरी के फैसले के खिलाफ समाजवादी छात्र सभा के कार्यकताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया. छात्रों ने कुलपति कार्यालय के सामने धरना दिया और फीस वृद्धि को वापस लेने की मांग की. प्रशासन द्वारा संवाद न करने से छात्रों का गुस्सा और बढ़ गया है छात्र चेतावनी दे रहे हैं कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज होगा.

लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) में एक बार फिर छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा है. इस बार विवाद की वजह है विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा की गई फीस बढ़ोतरी. सोमवार को समाजवादी छात्र सभा के कार्यकताओं ने इस फैसले के खिलाफ कैंपस में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया. छात्रों के भारी हंगामे के चलते विश्वविद्यालय परिसर में काफी देर तक अफरा-

तफरी का माहौल बना रहा.

प्रदर्शन की शुरूआत समाजवादी छात्र सभा के कार्यकताओं द्वारा निकाले गए पैदल मार्च से हुई. छात्र हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर फीस वृद्धि के खि लाफ नारेजी करते हुए पूरे परिसर से गुजरे और कुलपति (वीसी) कार्यालय तक पहुंचे. यहां छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली. छात्रों का आरोप है कि विभिन्न मदों में बढ़ाई गई फीस आम छात्रों की जेब पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है.

बंद दफ्तर के बाहर फर्श पर बैठे छात्र

जब छात्र अपनी मांगों को लेकर वीसी कार्यालय पहुंचे तो वहां ताला लटका मिला. कुलपति कार्यालय बंद देख छात्रों का गुस्सा और बढ़ गया. विरोध स्वरूप नाराज छात्र वहीं कार्यालय के बाहर फर्श पर बैठ गए और धरना देना शुरू कर दिया. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रशासन संवाद करने के बजाय छात्रों से दूरी बना रहा है.

छात्रों की चेतावनी, 'आंदोलन होगा और तेज'

प्रदर्शन कर रहे छात्र संगठनों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि बढ़ी हुई फीस को तुरंत वापस नहीं लिया गया, तो यह आंदोलन और उग्र रूप धारण करेगा. छात्रों ने दोटूक कहा कि आगामी दिनों में होने वाले किसी भी बड़े विरोध की पूरी जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी.

लखनऊ में महिला आक्रोश रैली और मार्च में जुटेंगी हजारों महिलाएं, सीएम योगी करेंगे नेतृत्व

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक स मेत पूरा मंत्रिमंडल कार्यक्रम में मौजूद रहेगा

लखनऊः (जीएनएस) ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कल मंगलवार को लखनऊ में 'महिला जन आक्रोश रैली एवं मार्च पास्ट' की अध्यक्षता करेंगे. इस रैली को महिला आरक्षण बिल पर विपक्षी दलों को घेरने की रणनीति के तहत आयोजित किया जा रहा है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक समेत पूरा मंत्रिमंडल इस कार्यक्रम में मौजूद रहेगा.

लखनऊ नगर निगम की सभी 110 वार्डों से हजारों महिलाओं को जुटाने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. लखनऊ महानगर को इस कार्यक्रम की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है. भाजपा महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने नगर निगम के सभी

पार्षदों की विशेष बैठक लेकर रैली की तैयारियों की समीक्षा की. बैठक में हर पार्षद को अपने-अपने वार्ड से अधिक से अधिक महिलाओं को लाने का लक्ष्य दिया गया. धर्मपाल सिंह ने कहा कि महिला आरक्षण बिल देश की महिलाओं को सशक्त बनाने की ऐतिहासिक पहल है, जिसे कांग्रेस और विपक्षी दलों ने सदन में रोका था. अब जनता के बीच जाकर इस मुद्दे पर विपक्ष का पोल खोलना है.

कहा कि यह रैली विपक्ष के दोहरे चरित्र को उजागर करेगी. कार्यक्रम स्थल पर भव्य मंच का निर्माण किया जा रहा है. सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. पुलिस, प्रशासन और नगर निगम की टीमें समन्वय के साथ काम कर रही हैं. रैली में शामिल होने वाली महिलाओं के लिए बसों, वाहनों और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की गई है. भाजपा प्रदेश नेतृत्व का मानना है कि यह रैली न केवल महिला आरक्षण बिल का समर्थन जताएगी बल्कि आगामी चुनावी तैयारियों को भी मजबूती देगी.

रैली के बाद मार्च का आयोजन होगा जिसमें महिलाएं बड़े उत्साह के साथ भाग लेंगी. महिला जन आक्रोश रैली को सफल बनाने के लिए भाजपा की सभी मोर्चा इकाइयां सक्रिय हैं.महिला मोर्चा, युवा मोर्चा और किसान मोर्चा के कार्यकर्ता भी इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होंगे.

दो विमान काफी देर तक आसमान में चक्कर लगाते रहे, लखनऊ एयरपोर्ट पर दो इंडिगो उड़ानें डायवर्ट; जानें वजह

लखनऊ (जीएनएस)।

खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण लखनऊ हवाई अड्डे पर दो उड़ानों की लैंडिंग नहीं हो सकी। दोनों विमान काफी देर तक हवा में चक्कर लगाते रहे, लेकिन अनुमति न मिलने पर उन्हें वाराणसी भेजा गया। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया।

मंगलवार शाम मौसम खराब होने और लो विजिबिलिटी के चलते लखनऊ एयरपोर्ट पर इंडिगो की दो उड़ानों की लैंडिंग नहीं हो सकी। एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि दोनों विमान काफी देर तक आसमान में चक्कर काटते रहे, लेकिन एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से अनुमति न मिलने पर अंततः उन्हें वाराणसी एयरपोर्ट डायवर्ट कर दिया गया।

लखनऊः दुबई से काठमांडू जा रहे विमान में ईंधन हुआ कम, दिक्कत

लखनऊ

एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, इंडिगो इमरजेंसी में लखनऊ किया गया डायवर्ट; नेविगेशन सिस्टम में भी थी की उड़ान संख्या 6ए-6440 दिल्ली से शाम 6:05 बजे लखनऊ पहुंचने वाली थी, जिसमें 157 यात्री और 6 क्रू सदस्य सवार थे। वहीं, दूसरी उड़ान संख्या 6ए-518 देहरादून से शाम 6:35 बजे लखनऊ के लिए निर्धारित थी, जिसमें 87 यात्री और 6 क्रू सदस्य मौजूद थे।

मौसम की खराबी और कम दृश्यता के कारण दोनों विमानों को सुरक्षित लैंडिंग की अनुमति नहीं दी गई। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एयरलाइंस और एटीसी ने यह फैसला लिया। बताया जा रहा है कि वाराणसी एयरपोर्ट पर विमानों की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। एयरलाइंस द्वारा यात्रियों को आगे की यात्रा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

शादी से पहले स्लिम दिखने की सनकः लखनऊ में मौनजारो व ओजेम्पिक जैसे वजन घटाने वाले इंजेक्शन की भारी मांग, डॉक्टरों ने दी 'खतरे' की चेतावनी

(जीएनएस)।

लखनऊ : नवाबों के शहर में शादियों का सीजन आते ही बाजारों में जितनी रौनक है, उतनी ही हलचल वेट-लॉस क्लिनिकों में भी देखी जा रही है. दूल्हा-दुल्हन और उनके करीबियों के बीच अब जिम जाने या डाइटिंग करने से ज्यादा क्रेज Mounjaro और Ozempic जैसी दवाओं और वेट लॉस इंजेक्शंस यानि मोटापा घटाने वाले इंजेक्शनों का बढ़ गया है. शहर के नामचीन डॉक्टरों का कहना है कि लोग इंस्टेंट लुक के चक्कर में अपनी सेहत को दांव पर लगा रहे हैं. हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि वन घटाना कोई शॉर्ट-कट नहीं है. शेरवानी या शादी के लहंगे में फिट बैठने की चाहत में अपने शरीर के अंगों जैसे लिवर, किडनी और पेट के साथ खिलवाड़ न करें. आइये जानते हैं इस नए खतरे के बारे में..

एक अजीब मामलाः 2 महीने में 10 किलो कम करना है

टीओआई की रिपोर्ट कहती है कि हाल ही में लखनऊ के एक बैरिएट्रिक क्लिनिक में 29 साल का एक युवक पहुंचा. उसकी लंबाई 5 फीट 9 इंच और वजन 105 किलो था. युवक ने डॉक्टर से सीधे तौर पर इंजेक्शन की मांग की ताकि वह अपनी शादी की तस्वीरों में दुबला दिख सके. डॉक्टरों ने इसे न केवल अवास्तविक बताया, बल्कि साफ किया कि इतनी जल्दी वजन घटाना शरीर के लिए खतरनाक है.

डिमांड में 300% का उछाल

शहर के बड़े मेडिकल सेंटर्स और अस्पतालों के आंकड़े चौंकाने वाले हैं. बड़े सेंटर्स में पिछले 12-18 महीनों में पूछताछ 2 से 3 गुना बढ़ गई है. हर हफ्ते 25 से 40 लोग वजन घटाने वाली दवाओं के बारे में पूछने पहुंच रहे हैं. मीडियम आकर की क्लिनिक में रोजाना 2-3 मामले सामने आ रहे हैं. ज्यादातर में लक्ष्य लगभग 30-40 प्रतिशत लोग इन दवाओं का इस्तेमाल सिर्फ शादी, जन्मदिन या छुट्टियों जैसे शॉर्ट-टर्म गोल के लिए करना चाहते हैं.

विशेषज्ञों की राय भी सुन लें

टीओआई ने अपनी रिपोर्ट में Health City Vistaar Hospital के बैरिएट्रिक रोबोटिक सर्जन डॉ. मोहित भंडारी से बात की. डॉ. भंडारी का कहना है कि लोग बिना किसी मेडिकल जरूरत के सिर्फ तेजी से नतीजे चाहते हैं. हमारे अनुभव में सख् त जांच के बाद केवल 40-45 प्रतिशत लोग ही इन दवाओं के लिए मेडिकल तौर पर फिट पाए जाते हैं. बिना जरूरत इसका इस्तेमाल असुरक्षित है. सही इलाज और डाइट से 3 महीनों में सुरक्षित रूप से केवल 4-8 किलो ही कम किया जा सकता है.

वहीं, मेदांता अस् पताल के डॉ. महीम मित्तल कहते हैं कि ये दवाएं लंबे समय तक वजन कंट्रोल करने के लिए बनी हैं, न कि शादी की फोटो खिंचवाने के लिए. दवा बंद करने के बाद वजन का दोबारा बढ़ना बहुत आम है. यह कोई तुरंत होने वाला पक्का इलाज नहीं है.

यानि विशेषज्ञों ने बिना डॉक्टर की सलाह के Mounjaro, Ozempic जैसी इन दवाओं के इस्तेमाल पर कड़े साइड इफेक्ट्स की चेतावनी दी है. इनसे क्या नुकसान हो सकते हैं ये भी समझ लें...

मांसपेशियों में कमजोरी : फैट के साथ-साथ मसल्स लॉस होना.

पोषक तत्वों की कमी : शरीर में जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स का स्तर गिरना.

पेट की समस्याएं : गंभीर दस्त, डिहाइड्रेशन और पाचन तंत्र में खराबी.

मनोवैज्ञानिक असर : वजन दोबारा बढ़ने पर तनाव और अवसाद.

अक्षय तृतीया पर लखनऊ में 250 करोड़ का रिकॉर्ड कारोबार, 55 करोड़ के गहने बिके; बाजार गुलजार

(जीएनएस)।

लखनऊ। सोने व चांदी की कीमतें बढ़ने के बाद भी अक्षय तृतीया के दिन राजधानी में कुल 49 करोड़ का सोना बिक गया।

इसमें 27 किलो सोना परंपरागत सराफा कारोबारियों ने बेचा तो तीन किलो सोना बड़ी कंपनियों के शोरूम से बिका। वहीं सवा दो सौ किलो चांदी, जिसकी कीमत करीब छह करोड़ थी, वह देर शाम तक बिक गई।

इससे यह बात तो स्पष्ट हो गई कि सोना व चांदी की कीमतें बढ़ने के बाद भी खरीदारों की कमी नहीं है। व्यापारियों के मुताबिक अक्षय तृतीया के दिन 49 करोड़ का सोना आज तक नहीं बिका। इसके पीछे सोने की बढ़ती कीमतें ही कारण हैं।

इस सोने व चांदी की बिक्री के पीछे सहालग भी एक बड़ा कारण माना जा रहा है, क्योंकि अप्रैल माह में शादियों की तिथियां हैं, ऐसे में इन ग्राहकों की वजह से भी बाजार गुलजार रहा। वहीं वाहन, कपड़ा, इलेक्ट्रानिक उपकरणों का कारोबार 195 करोड़ से अधिक का रहा।

चौक सराफा एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आदीश जैन ने बताया कि सोने के दाम 1,58,200 रुपये प्रति

दस ग्राम चौबीस कैरेट थे और 22 कैरेट के दाम 1,46,100 रुपये प्रति दस ग्राम रहा। अक्षय तृतीया के दिन लोगों ने ज्वैलरी तो कुछ लोगों ने सिक्कों में निवेश करना उचित समझा।

वहीं बाजार में सहालग के ग्राहक भी रहने से देर रात तक बाजारों में भीड़ रही। जैन कहते हैं कि सुबह से शाम पांच बजे तक सन्नाटे जैसी स्थिति बाजार में थी, फिर शाम छह बजे से भीड़ बढ़नी शुरू हुई जो देर रात दस बजे तक बनी रही। उनके मुताबिक 22 व 18 कैरेट सोने के आभूषण ज्यादा बिके।

खास बात रही चांदी जो दो लाख छप्पन हजार रुपये प्रति किलो थी, वह भी खूब बिकी। करीब पांच करोड़ अस्सी लाख की चांदी लोगों ने खरीद ली। इनमें सिक्कों के साथ ही महिलाओं ने चांदी के बर्तन, पायल, बिछिया, गुच्छा, कमर पेटी खरीदने में रुचि दिखाई। इसके अलावा कपड़ा, वाहन और इलेक्ट्रानिक्स बाजार में भी भीड़ रही।

सहालग का भी बाजार में असर

अमीनाबाद, पत्रकारपुरम, भूतनाथ, गणेशगंज कपड़ा बाजार में कपड़ों की भी खरीदारी हुई। श्रीराम रोड और स्वदेशी मार्केट के महामंत्री और कपड़ा कारोबारी प्रभू जालान ने बताया कि अक्षय तृतीया के साथ ही सहालग का सीजन शुरू हो जाने से भी बाजार गुलजार है और अभी रहेगा।

उनके मुताबिक रेडीमेड कपड़ों के साथ ही साड़ियों की डिमांड भी बाजार में बनी हुई है। लहंगा पंद्रह हजार से लेकर एक लाख रुपये तक शादियों के सीजन में बिक रहे हैं। कपड़ा, साड़ी, लहंगा, चादर, पर्दा समेत अनेक ब्रांडेड आइटम पर पूर्व की तरह इस बार भी छूट दी गई है।

लखनऊः चारबाग में 14 दिनों के लिए बदली रहेगी यातायात व्यवस्था, नया रूट डायवर्जन प्लान लागू

(जीएनएस)।

लखनऊ। शहर के सबसे व्यस्त चारबाग रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए पुलिस ने 14 दिन का विशेष ट्रैफिक ट्रायल शुरू किया है।

इसके तहत प्रमुख मार्गों पर डायवर्जन लागू कर दिया गया है। पुलिस का दावा है कि इस व्यवस्था से जाम की समस्या में राहत मिलेगी। ट्रायल सफल रहने पर इसे आगे भी लागू किया जा सकता है।

ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए डीजीपी की तरफ से सख्त निर्देश दिए गए थे, जिसके बाद ट्रैफिक पुलिस ने शहर के 12 प्रमुख मार्गों(175 किलो मीटर) को चिह्नित किया गया है, जहां जाम की समस्या अधिक रहती है। इनमें चारबाग चौराहा तीन प्रमुख रूट कमता, जुनाबगंज और कानपुर रोड से जुड़ा होने के कारण सबसे संवेदनशील है।

नया ट्रैफिक प्लान लागू

इसी वजह से सबसे पहले रविवार को यहां विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है। नई व्यवस्था के तहत आलमबाग से चारबाग जाने वाले वाहन अब रविंद्रालय तिराहे से सीधे दाहिने नहीं मुड़ सकेंगे। उन्हें केकेसी के पास यू-टर्न लेकर रविंद्रालय तिराहे से बाएं मुड़कर चारबाग जाना होगा।

वहीं, चारबाग रेलवे स्टेशन से निकलने वाले वाहन रविंद्रालय तिराहे से बाएं मुड़कर गुप्ता तिराहे से यू-टर्न लेकर अपने गंतव्य जा सकेंगे। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ट्रैफिक रवीना त्यागी के मुताबिक यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए डायवर्जन वाले क्षेत्रों में सवारी वाहन खड़े करने पर रोक लगा दी गई है।

साथ ही वेडिंग जोन को भी पीछे खिसका दिया गया है। हर प्रमुख मोड़ पर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, जो आठ-आठ घंटे की शिफ्ट में ड्यूटी कर जाम नहीं लगने देंगे।

नो-पार्किंग में खड़े वाहन क्रेन से

उठाए जाएंगे

डीसीपी ने बताया कि सड़क किनारे खड़े वाहनों को हटाने के लिए क्रेन की व्यवस्था की गई है। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को तुरंत टो किया जाएगा।

स्थानीय दुकानदारों और व्यापारियों को माइक के जरिए नई व्यवस्था की जानकारी दी जा रही है, जबकि श्री-व्हीलर एसोसिएशन के साथ बैठक कर उन्हें नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

समय-समय पर उच्चाधिकारी करेंगे निरीक्षण

व्यवस्था लागू होने के बाद से उच्चाधिकारी समय-समय पर व्यवस्था का निरीक्षण करेंगे और जो भी कमियां सामने आएंगी, उन्हें दूर किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि यदि यह ट्रायल सफल रहता है तो इसे स्थायी रूप से लागू करने पर विचार किया जाएगा, जिससे चारबाग क्षेत्र में यातायात और अधिक सुगम हो सके।

यह सफल होने पर दूसरे मार्ग को किया जाएगा चिह्नित

डीसीपी ने बताया कि इस चौराहे पर व्यवस्था सफल होने के बाद इंजीनियरिंग कालेज से

पालीटेक्निक वाले मार्ग को चिन्हित किया जाएगा। यहां पर भी प्लान बनाकर व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके साथ-साथ चौक से परिवर्तन चौराहे वाले मार्ग पर भी काम किया जा रहा है।

लखनऊ एटीएस का बड़ा एक्शन; दुबई में बैठे संदिग्ध आतंकियों आकिब-आजाद के पासपोर्ट निरस्त, नेटवर्क पर कसा शिकंजा

(जीएनएस)।

लखनऊ से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) ने आतंकी मॉड्यूल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दुबई में बैठे दो संदिग्ध आतंकियों आकिब और आजाद के पासपोर्ट निरस्त कर दिए हैं. उत्तर प्रदेश के लखनऊ से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (ATS) ने आतंकी मॉड्यूल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दुबई में बैठे दो संदिग्ध आतंकियों आकिब और आजाद के पासपोर्ट निरस्त कर दिए हैं. यह कदम सुरक्षा एजेंसियों की ओर से आतंकवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को और तेज करने के उद्देश्य से उठाया गया है.

क्या है मामला ?

दरअसल, अळर ने हाल ही में एक आतंकी मॉड्यूल का खुलासा किया था, इस मॉड्यूल से जुड़े तीन आरोपी देश से बाहर थे. इनमें से एक आरोपी मैजूल, जो साउथ अफ्रीका में रह रहा था, उसे शनिवार को दिल्ली

एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया गया. मैजूल की गिरफ्तारी के बाद अब जांच एजेंसियां उससे पूछताछ कर नेटवर्क के अन्य कनेक्शन खंगाल रही हैं.

वहीं, बाकी दो आरोपी आकिब और आजाद फिलहाल दुबई में मौजूद हैं. इन दोनों के खिलाफ पहले ही लुकआउट सर्कुलर (LOC) जारी किया जा चुका था, ताकि उनके भारत आने पर तुरंत गिरफ्तारी की जा सके. अब पासपोर्ट निरस्त होने के बाद उनके लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रा करना मुश्किल हो गया है और उन पर कानूनी शिकंजा और कस गया है.

ATS अधिकारियों के मुताबिक यह पूरा नेटवर्क देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता था. शुरूआती जांच में सामने आया है कि ये आरोपी विदेश में बैठकर भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे. एजेंसियां अब इंटरपोल और अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही हैं, ताकि दुबई में मौजूद आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर भारत लाया जा सके.

इस पूरे मामले में सुरक्षा एजेंसियां बेहद सतर्क हैं और हर पहलू की गहन जांच की जा रही है. अळर का कहना है कि आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत आगे भी ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी. फिलहाल, मैजूल की गिरफ्तारी और आकिब-आजाद के पासपोर्ट निरस्त होने को इस मामले में बड़ी सफलता माना जा रहा है, जबकि बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी हैं.

शमीम माफी कौन? अमेरिका ने क्यों किया गिरफ्तार और क्या है इनका ईरान से कनेक्शन?

(जीएनएस)।

लॉस एंजिल्स एयरपोर्ट पर हाल ही में हुई एक गिरफ्तारी ने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा हलकों में हड़कंप मचा दिया है। 44 वर्षीय ईरानी महिला, शमीम माफी, जो 2016 से अमेरिका की स्थायी निवासी हैं, उन्हें ईरान और सूडान के बीच हथियारों की दलाली के गंभीर आरोपों में पकड़ा गया है।

उन पर आरोप है कि उन्होंने ड्रोन और बमों की तस्करी के जरिए लाखों डॉलर कमाए। यह मामला इसलिए भी बड़ा है क्योंकि इसमें सीधे तौर पर ईरानी खुफिया एजेंसियों और सूडानी सेना के बीच अवैध सौदों की बात सामने आई है।

कौन हैं शमीम माफी?

शमीम माफी एक ईरानी नागरिक हैं जो लंबे समय से अमेरिका में रह रही थीं। जांच के मुताबिक, वह ओमान में 'एटलस इंटरनेशनल बिजनेस' नाम की एक कंपनी चलाती थीं। दिखावे के लिए यह एक बिजनेस

फर्म थी, लेकिन पर्दे के पीछे इसका इस्तेमाल हथियारों के अवैध लेन-देन के लिए किया जाता था। अमेरिकी जांच एजेंसियों का दावा है कि माफी दिसंबर 2022 से जून 2025 तक लगातार ईरानी खुफिया अधिकारियों के संपर्क में थीं और वहीं से निर्देश ले रही थीं।

क्यों हुई गिरफ्तारी?

माफी की गिरफ्तारी का मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का उल्लंघन और हथियारों की तस्करी है। एफबीआई ने उन्हें लॉस एंजिल्स एयरपोर्ट (LAX) पर उस समय दबोचा जब वे टर्मिनल से बाहर निकल रही थीं। उन पर आरोप है कि उन्होंने ईरान निर्मित घातक हथियारों को सूडान तक पहुँचाने में बिचौलिए की भूमिका निभाई। गिरफ्तारी के दौरान भारी मात्रा में कैश और डिजिटल सबूत मिलने की भी खबर है, जो उनके तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने की पुष्टि करते हैं।

ईरान और सूडान से क्या है कनेक्शन?

अदालती दस्तावेजों के अनुसार, माफी ने ईरान के मोहजर-6 सशस्त्र ड्रोन, 55,000 बम फ्यूज और लाखों राउंड गोला-बारूद सूडान के रक्षा मंत्रालय को बेचने की डील करवाई थी। इस पूरे खेल में उनकी कंपनी को 2025 में ही 70 लाख डॉलर (करीब 58 करोड़ रुपये) से ज्यादा का भुगतान मिला। ईरान इन हथियारों के जरिए अफ्रीकी देशों में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता था और माफी इसमें एक अहम कड़ी के रूप में काम कर रही थीं।